पाठकों! अंतरवासना पर सेक्स प्रेमियों को सोनल का नमस्कार। मैं बहुत ही कमीनी चीज़ हूं। अंतरवासना पर आप चूत, चुदाई, लंड की बातें ही सुनते होंगे। मुझे भी सेक्स अच्छा लगता है लेकिन मुझे दूसरों को तड़पाने, मारने के बाद सेक्स में मजा आता है। मेरे हाथ से बड़े बड़े लोग मार खा चुके हैं। मेरे तलवे चाट चुके हैं। ऐसी ही एक सच्ची घटना को कहानी की शक्ल में मैं आपके सामने परोस रही हूं जिसमें चूत लंड के साथ हंटर, पट्टे की मार, हथकड़ी बेड़ियों की जकड़न तथा औरत की गुलामी शामिल है। आशा है आप पढ़ने के बाद मेरे गुलाम बनने के लिए आतुर हो जायेंगे।

शोभा के गुलाम

मुझे दूसरों को सताने में शुरू से ही मजा आता था। पढ़ाई में अव्वल रहने के साथ ही मैं अपनी टीचर्स की चहेती थी। मेरे अंदर क्रूरता की शुरूआत 9 क्लास में हुई। मैथ की मिस पूजा मुझे बहुत अच्छी लगती थी। लम्बा कद, हाथ में 2 फिट की बेंत मुझे अट्रैक्ट करती थी। वह बहुत ही क्रूर थी। गलती छोटी या बड़ी उनकी क्लास में सजा हार्ड ही मिलती थी। मैं क्लास की मानीटर थी। स्टूडेंट की गलतियों की लिस्ट बनाकर मैं ही मेम को देती थी। लिस्ट के अनुसार वह सजा देती। लड़के हो या लड़की उन्हें मुर्गा बनाकर उनके पिछवाड़े पर मारना पूजा मैम को सबसे अच्छा लगता था। मैम के ऑर्डर पर मैं अपने ही साथियों को मैदान में ले जाकर मुर्गा बना देती। एक बार उन्होंने पूरी क्लास को मैदान में ले जाकर मुर्गा बनाने को कहा। मैंने कड़कती धूप में 10 लड़कियों एवं 9 लड़कों को मुर्गा बना दिया। पूजा मैम आयी और सभी के बैकसाइड पर दो दो बेंत लगाये। आज पूजा मैम कुछ गुस्से में थी। उन्होंने बेत को मेरे हाथ में देकर कहा। शोभा कोई भी नीचे को झुके तो उसको बेंत लगाना। मेरे अंदर की क्रूरता जाग गयी। तेज धूप से बचने को पूजा मैम तो अंदर चली गयी। अब पूरी क्लास मेरे रहमोकरम पर थी। मैंने बेंत का जमकर इस्तेमाल किया। मेरे दोस्तों पर मेरा कहर सबसे ज्यादा टूटा। मेरी सहेली रीता के मैंने 20 से ज्यादा बेंत मारे। क्लास का सबसे होशियार स्टूडेंट रोहित की भी मैंने जमकर क्लास ली। बेंत चलाते हुए मुझे बड़ा मजा आ रहा था। सजा खत्म होने के बाद सभी क्लास में आ गये। रीता मुझसे बहुत नाराज थी। पूरी क्लास ढंग से सीट पर बैठ भी नहीं पा

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

रही थी। मैं रूम में गयी तो उसने बात नहीं की। मैंने कहा सारी यार मैम ने कहा था सो करना पड़ा। उसने कहा कि मैम ने पूरी ताकत से मारने को नहीं कहा था। उसने अपनी जींस खोलकर पिछवाड़ा दिखाया। पूरा हिस्सा लाल धारियों से भरा था। मैंने अपने हाथों से उसे सहलाते हुए कहा डियर मुझे मार लगाने में बहुत मजा आया। तुम्हें इसलिए ज्यादा मारा कि मैं तुझे सबसे ज्यादा चाहती हूं। मैंने मार दी है तो प्यार भी मैं ही करूंगी। मैंने रीटा को चिपटा लिया। उसकी शर्ट को खोल दिया। मैं उसके पूरे शरीर को चूमने लगी। यह खेल हम पहले भी खेल चुकी थी। आज कुछ ज्यादा मजा आ रहा था। मैंने अपनी चूत को उसकी चूत पर जमकर रगड़ा फिर चाटना शुरू कर दिया। घंटों की मेहनत के बाद हमें तृप्ति मिल गयी। प्यार के बाद रीता ने कबूल किया कि उसे मार खाने के बाद सेक्स करने में बहुत मजा आया। अगले दिन मैं एक बेंत ले आयी। रात को होमवर्क करने के बाद मैने रीता से कुछ सवाल हल करने को दिये। पांच में से तीन सवाल गलत थे। मैंने रीता से बेंत लाने को कहा। रीता ने काले रंग की बेंत लाकर मेरे हाथ में दी। मैंने उसकी खुली हथेलियों पर जमकर स्ट्रोक लगाये। इसके बाद मैंने उसे कपड़े उतारने को कहा। रीता के नंगी होते ही मैंने मुर्गा बनने को कहा। मैंने कहा कि तुमको दस बेंत खाने हैं। तुम गिनती गिनोगी। चूतडों पर हाथ लगाये या उठी तो एक्स्ट्रा स्ट्रोक खाने होंगे। मैंने कस कस कर दस बेंत लगाये। दस बेंत खाने में रीता को 4 एस्क्ट्रा स्ट्रोक खाने पड़े। इसके बाद मैने उसे जमकर प्यार किया। क्लास में मैं देख रही थी कि रोहित मेरी ओर खास निगाहों से देखता है। एक दिन पार्क में उसने मुझसे प्यार के इजहार की कोशिश की। मैंने सूनसान पार्क में रोहित को एक करारा चांटा लगाया और कहा मुझे आशिक नहीं मेरे तलवे चाटना वाला मर्द चाहिए। रोहित पल झपकते ही मेरे पैरों में गिर गया तथा सैन्डलों को दीवाना सा चूमने लगा। रोहित बोला मिस जब से आपने मेरे चूतड़ों पर मार लगायी। मेरा मन आपसे मार खाने को करता है। प्लीज मुझे अपना बना लो। अब रोहित मेरा प्यारा था। रीटा के बाद स्कूल टाइम का यह मेरा दूसरा गुलाम था। मैंने रोहित को बेत लाने को कहा। वह गया और पेड़ से लचकदार हरी शाख तोड़कर ला दी। मैंने रोहित को नंगा होने को कहा। रोहित पल झपकते ही नंगा हो गया। उसका लंड नर्म मुलायम एवं गोरा था। मुझे देखते ही उसका लंड खड़ा होने लगा। मैंने हरी शाख से रोहित को जमकर मार लगाई। मैं मर्द के साथ अभी सेक्स की जल्दबाजी में नहीं थी। मैंने उसके लंड को पकड़ा तथा

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

सहलाना शुरू कर दिया। उत्तेजना की अधिकता में वह मेरे मुलायम हाथों में झड़ गया। मैंने रोहित को उसका वीर्य चाटने का आदेश दिया। रोहित ने अपने ही वीर्य को मेरे हाथों तथा जमीन पर चाटा। एक दिन मैंने रोहित और रीटा को एक साथ डोमीनेट करने का प्लान बनाया। दोनों को एक दूसरे के बारे में पता नहीं था। रोहित को मैंने अपने कमरे पर बुलाया। जब रोहित पहुंचा तो मैं रीटा को सजा दे रही थी। पूरी नंगी रीटा मुर्गा बनी हुई थी। डोरबेल बजी। रीता हड़बड़ा कर खड़ी हो गयी। मुझे गुस्सा आ गया। साली छिनाल कुतिया तेरी हिम्मत कैसे हुई उठने की। पागलों की तरह मैंने रीटा की छातियों पर बेंत से मार लगानी शुरू कर दी। रीता दोहरी होकर रहम की भीख मांगने लगी। साली कुतिया मैं जहां चाहूं वहां तुझे नंगा करके रखूंगी। रीता मुर्गा बन गयी। मैंने दरवाजे के की होल से झांका। बाहर रोहित खड़ा था। मैंने दरवाजा खोल दिया। रोहित अंदर आया। रीटा नंगी मुर्गा बनी खड़ी थी। रोहित का मुंह हैरत से खुला रह गया। मैंने अपने हाथ में पकड़ा बेंत रोहित के पिछवाड़े पर मार दिया। हरामी ये भी मेरी गुलाम है और तू भी। साले कपड़े खोल और मुर्गा बन जा। अब मैं रानी थी मेरे सामने दो गुलाम थे। जिन्हें दर्द देना और मजा लूटना मेरा काम था। आधा घंटे तक पीड़ादायक स्थिति में रखने के बाद मैंने दोनों को खड़ा कर दिया। रोहित का लंड मार खाने के बाद भी खड़ा था। मैंने रीता को रोहित का लंड चूसने को कहा। रोहित को अपनी चूत चाटने के काम पर लगा दिया। मुझे अपने गुलाम का लंड पसन्द आया। मैंने रोहित के हाथों को ऊपर करके बांध दिया। इसके बाद मैंने रोहित के लंड को देर तक चूसा। वह रिरिया रहा था। दो हसीनाएं उसका लंड जो चूस रही थी। मैं घोड़ी बनकर खड़ी हो गयी। रीता ने रोहित का लंड मेरी चूत पर रखा। रोहित ने धीरे धीरे लंड मेरी चूत में पेल दिया। रीता मेरी छातियों को मसल रही थी। रोहित में गजब का स्टेमिना था। वह काफी देर तक धक्के लगाता रहा। मैं दो बार झड़ चुकी थी। मैने रीता को घोड़ी बनाया। इस बार लंड मैने सेट किया। मैंने लंड रीता की गांड पर सेट कर दिया। लंड की टोपी घुसते ही रीता बिलबिला उठी, लेकिन मालकिन की मार के डर से भागी नहीं। रोहित ने सात इंची लम्बे लंड से रीता की गांड मारी। इसके बाद उसने रीता की चूत भी मारी। 12 वीं क्लास तक यह सिलसिला चलता रहा। इसके बाद हम अलग अलग हो गये। अब मेरे पास कोई गुलाम नहीं था। मेरे घरवालों ने मेरा रिश्ता तय कर दिया। मेरे मंगेतर राहुल बहुत ही शर्मिले थे। शादी से पहले हम एक दो बार मिले भी।

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

सुहागसेज पर वह चुपचाप बैठे रहे। फिर मुझसे बात शुरू की। धीरे धीरे उन्होंने मुझे नंगा कर लिया। काफी कोशिशों के बाद भी उनका लंड खड़ा नहीं हुआ। मुझे झुंझलाहट हुई। बला की हसीन सोनल एक नामर्द के पल्ले बंध गयी थी। मेरे भीतर की क्रूरता जाग गयी। सिर झुकाये बैठे राहुल के मैंने एक चांटा रसीद किया। नामर्द जब तेरे अंदर ताकत नही थी तो शादी क्यों की। मेरा जीवन क्यों बर्बाद किया। राहुल मेरे पैरों में गिर गये बोले मेरी इज्जत तुम्हारे हाथों में है। तुम जैसे चाहोगी बैसा ही होगा लेकिन शोर मत करो। घर वालों को पता चल जायेगा। मैंने म्यूजिक सिस्टम ऑन कर दिया। राहुल के चेहरे को उठाकर कहा हरामी तू तो औरतों के तलवे ही चाट सकता है। अब मैं तेरा पति और तू मेरी पत्नी होगी। कुत्ते तू घर के सारे काम करेगा। मैं मर्द की तरह तेरे जिस्म की खाल उधेड़ूंगी। रोहित की बेल्ट को मैंने दोहरा कर लिया। राहुल को कुत्ते की तरह खड़ा करके मैंने बेल्ट से मार लगानी शुरू कर दी। राहुल मेरे नंगे पैरों को चूम रहा था। देखते ही देखते पिछवाड़ा लाल हो गया। मैंने राहुल की पीठ के पार पैर रखा और घुड़सवारी के स्टाइल में आ गयी। ऐड़ लगाकर मैंने राहुल को चलने के लिए कहा। वह बिस्तर तक मुझे लेकर गया। बिस्तर पर लेटने के बाद मुझे राहुल पर प्यार आ गया। मैंने राहुल के शरीर पर अपनी मार के निशानों को चूमना शुरू कर दिया। अब चौंकने की मेरी बारी थी। राहुल के सुस्त लंड में जान आने लगी। देखते ही देखते दस इंची हथियार के रूप में उसका लंड मेरी चूत फाड़ने को तैयार था। मैंने मुंह में लेकर हथियार को सहलाया। राहुल बहुत खुश था। मेरी मार से वह मर्द जो बन गया। उसने मेरी चूत पर लंड को लगाया। मैंने दर्द का नाटक किया। सिसकारियां ली। राहुल दीवाना हो गया। पूरी रात हम नहीं सोये। रात भर चुदाई चलती रही। अगले दिन मैंने अपने किये की आदर्श बीबी की तरह माफी मांगी। रात को फिर से राहुल फेल हो गये। राहुल ने कहा डियर तुम मार लगाओ तभी ये खड़ा होगा। इस बार फिर मैंने बेल्ट का जमकर इस्तेमाल किया। रात में जमकर चुदाई की। दिन में हमने डॉक्टर से मिलने का फैसला किया। डॉक्टर दीवान ने हमारी समस्या सुनकर कहा कि आपको मार खाने में इन्हें खिलाने में मजा आता है। फिर क्या परेशानी है। जमकर इंज्वॉय करें। उन्होंने हमें एक दुकान का पता दिया जहां पर इस खेल के लिए सामान मिल सके। इस गोपनीय दुकान पर डा. दीवान का पर्चा देने पर सेल्सगर्ल हमें बेसमेंट में ले गयी। दीवारों पर तरह तरह के हंटर, चेन, हथकड़ियां, पिंजरे, घोड़े की लगाम, काठी, कुत्ते के

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

पट्टे एवं चेन तथा तरह तरह के पट्टे बेंत लगे हुए थे। हमने एक लम्बा हंटर, कुछ वीडियो फिल्म, कुछ चैनें खरीदीं। हमारा हनीमून का रिजर्वेशन कुछ टल गया। अपने घर में ही हमने तरह तरह के खेल खेलने शुरू कर दिये। रात को बेल्ट की जगह हंटर की मार से राहुल दर्द से तड़पता तो रहा लेकिन उसे मजा भी बहुत मिला। हम हनीमून के लिए कश्मीर की वादियों में पहुंचे। पहाड़ों में पहली बार मैं किसी मर्द को मारने जा रही थी। राहुल को मैंने होटल के कमरे में घोड़ा बनाया। राहुल को मैंने जमकर दौड़ाया। इस दौरान बेंत से उसकी खबर भी ली। होटल की लॉबी में मुझे एक युगल परिचित सा नज़र आया। मैं पास गयी तो खुशी से उछल गयी। यह जोड़ा रीटा और रोहित का था। दोनों ने शादी कर ली थी। मैंने राहुल से दोनों को मिलवाया। रूम में डिनर करते हुए पुरानी बात छिड़ गयी। रीता गुलाम से मालकिन बन गयी थी। मैंने बताया राहुल मेरा गुलाम है। अब हम दोनों सहेलियां मालकिन थी। मैंने कहा फिर चलो मिलकर गेम खेलें। रीता ने हमें अपने कमरे में बुलाया। बंद कमरे में रीता ने दोनों गुलामों को नंगा होने का हुक्म दिया। रीता बदल गयी थी। अब वह खुद क्रूरता की देवी नजर आती थी। उसने रोहित से कहा मादरचोद जा दो घोडों की काठी और कीलों वाले जूते ला। यस मैम कहकर रोहित चला गया। जब वह लौट कर आया तो उसके हाथ में घोड़े पर कसने वाली काठी एवं जूते थे। जूतों में लम्बी कीले लगी हुई थी। काठी पर लंड नुमा प्लास्टिक की चीज खड़ी थी। रीता ने राहुल को अपने पास बुलाकर घोड़े की तरह खड़ा किया। रोहित खुद ही घोड़ा बन गया। देखते ही देखते रीता ने काठी को तस्मों के सहारे कस दिया। इसके बाद लगाम को लाकर दोनों घोड़ों को पहना कर रास उनकी पीठ पर रख दी। दीदी आओ जूते पहन कर अपने घोड़ों पर सवारी करें। मैंने अपने कपड़े उतार दिये तथा नंगी होकर जूते पहनने लगी। रीता ने घोड़ों को दीवार के पास जाने का आदेश दिया। दोनों अपने चारों हाथ पैरों से चलते हुए दीवार के पास पहुंचे तथा सामने की ओर मुंह करके खड़े हो गये। रीता दो छोटे चाबुक लायी। एक चाबुक मेरे हाथ में देकर बोली दीदी किस पर सवारी करेंगी। मैंने कहा मैं हारना नहीं चाहती इसलिए मैं रोहित पर सवारी करूंगी। फिर मैं आज चाबुक और कीलों का बेदर्दी से इस्तेमाल करना चाहती हूं। तुम इसे ट्रेंड भी कर चुकी हो। रीता राहुल पर सवार हो गयी। रोहित के ऊपर बैठते समय चूत में जाता नकली लंड मुझे बेहद अच्छा लगा। उसने कस पर लगाम को ऊपर की ओर खींचा। राहुल का सिर उठ गया। मैंने भी

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

लगाम की रास खींच ली। मैंने रोहित की टांगों में जूतों की कीलों उतार दी। खून छलक उठा। इसी तरह से रीता ने भी राहुल के साथ किया। रीता ने पिछवाड़े पर चाबूक भी चलाया। रीता बोली गेम में रूम के चार चक्कर लगाने हैं। जो भी घोड़ा पहले चक्कर लगा लेगा। वही जीता हुआ माना जायेगा। गेम शुरू हुआ। मैंने पूरी ताकत से चाबुक और कीलों की मार लगानी शुरू कर दी। रीता मुझसे भी ज्यादा क्रूरता दिखा रही थी। दूसरे चक्कर में राहुल तेजी से रोहित से आगे निकल गया। मैंने पूरी जोर से ऐड़ लगायी। राहुल जीत की ओर था। कुछ दूर रीता ने चाबुक की ऐसी मार लगायी कि राहुल गिर गया। मेरा अनुभवी घोड़ा आगे निकल गया। गेम मैं जीत गयी। मैं रोहित की कमर से उतरी। राहुल की ओर देखकर बोली तुमने कुछ ज्यादा ही सख्ती कर दी है। क्या मैं इतनी निर्दयी हो गयी थी दीदी। लेकिन यह हार गया है नियम के अनुसार विनर इस पर एक राउंड लेगा। राहुल कुछ कहना चाह रहा था। रीता ने उसकी एक न सुनी और उसे दोबारा तैयार कर दिया। अब मैं अपने पति पर सवारी कर रही थी। मैंने कहा रीता तुम बेंत से मेरे घोड़े की रफ्तार को मैंन्टेंन करो न। रीता ने हामी भरते हुए रूल उठा लिया। राहुल की इंच इंच चलने में हालत खराब हो गयी। राउंड पूरा होने से पहले ही वह गिर गया। इसके बाद शुरू हुआ चुदाई का खेल। मैं रोहित के लंड को सहला रही तथा राहुल पर रीता सवार थी। इतनी मार खाने के बाद भी दोनों पल झपकते ही चुदाई के लिए तैयार थे। रोहित ने मुझे जमकर चोदा। उधर रीता भी रंडी की राहुल से चुदा रही थी। पहले हमने उन्हें दर्द दिया। अब वो दोनों अपने लंड से बदला ले रहे थे। दोनों ने हमें पास पास घोड़ी बनाया और सवारी गांठना शुरू कर दिया। गीले हो चुके लंड को हमारी गांड में भी दनादन पेल रहे थे। हम अब लंड का मजा लूटने में लगे थे।

स्टोरी पर अपनी राय दें। कोई भी मर्द या औरत मेरा गुलाम बन सकता है। मेरी ई–मेल आईडी है shobhabitch@yahoo.co.in

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire